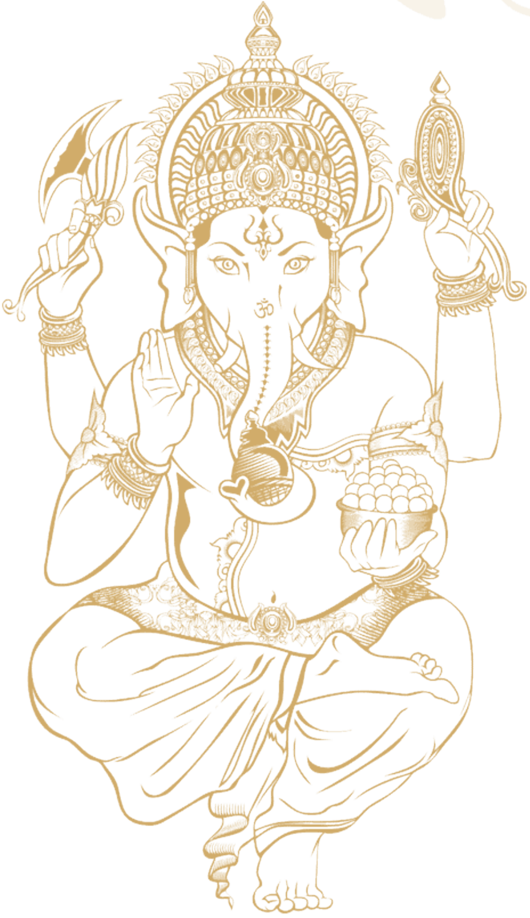

# Mr.

27 Jul 1988

12:35 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121690702

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **27/07/1988** |
| दिन | बुधवार |
| **जन्म समय** | **12:35:00 घंटे** |
| इष्ट | 17:34:32 घटी |
| **स्थान** | **Dehradun** |
| राज्य | Uttarakhand |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 30:19:00 उत्तर |
| रेखांश | 78:03:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:17:48 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 12:17:12 घंटे |
| वेलान्तर | -00:06:28 घंटे |
| साम्पातिक काल | 08:37:55 घंटे |
| सूर्योदय | 05:33:11 घंटे |
| सूर्यास्त | 19:14:56 घंटे |
| दिनमान | 13:41:45 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 10:46:02 कर्क |
| लग्न के अंश | 10:21:20 तुला |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | तुला - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **धनु - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पूर्वाषाढ़ा - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | वैधृति |
| करण | तैतिल |
| गण | मनुष्य |
| योनि | वानर |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | भू-भूपेन्द्र |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | तुला | 10:21:20 | 307:06:17 | स्वाति | 2 | 15 | शुक्र | राहु | गुरु | --- |
| सूर्य | | | कर्क | 10:46:02 | 00:57:19 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | सूर्य | मित्र राशि |
| चंद्र | | | धनु | 15:15:19 | 14:28:50 | पूर्वाषाढ़ा | 1 | 20 | गुरु | शुक्र | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | | | मीन | 11:51:59 | 00:21:38 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | चंद्र | मित्र राशि |
| बुध | | अ | कर्क | 02:58:25 | 02:04:43 | पुनर्वसु | 4 | 7 | चंद्र | गुरु | राहु | शत्रु राशि |
| गुरु | | | वृष | 07:11:00 | 00:09:42 | कृतिका | 4 | 3 | शुक्र | सूर्य | केतु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | वृष | 28:28:11 | 00:38:44 | मृगशिरा | 2 | 5 | शुक्र | मंगल | शनि | स्वराशि |
| शनि | व | | धनु | 03:07:41 | 00:03:01 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | सूर्य | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 21:01:50 | 00:05:48 | पू०भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | गुरु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 21:01:50 | 00:05:48 | पू०फाल्गुनी | 3 | 11 | सूर्य | शुक्र | गुरु | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | धनु | 03:58:52 | 00:01:47 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | चंद्र | --- |
| नेप | व | | धनु | 14:25:10 | 00:01:25 | पूर्वाषाढ़ा | 1 | 20 | गुरु | शुक्र | शुक्र | --- |
| प्लूटो | | | तुला | 16:04:31 | 00:00:15 | स्वाति | 3 | 15 | शुक्र | राहु | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | कर्क | 13:23:01 | -- | पुष्य | -- | 8 | चंद्र | शनि | राहु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:41:56

## लग्न-चलित

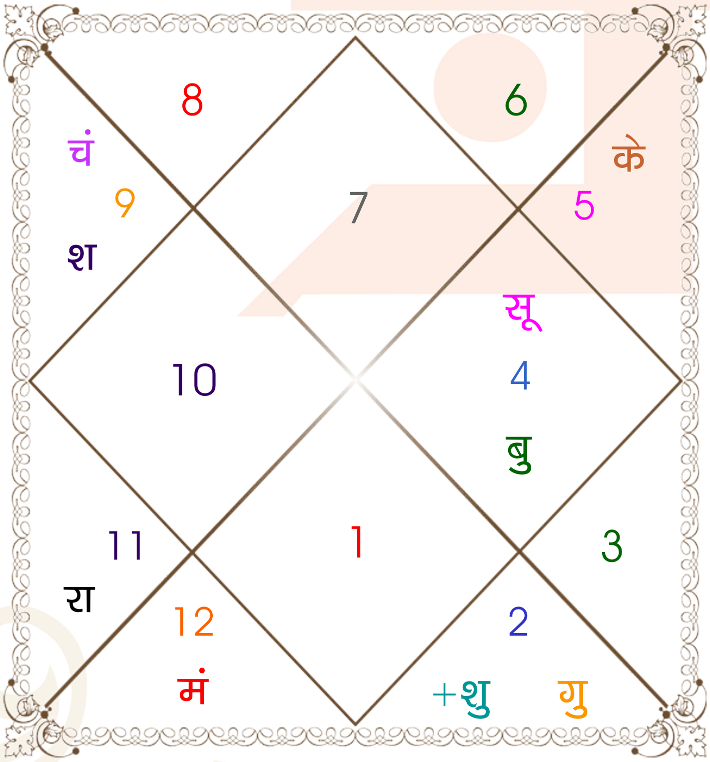


## चन्द्र कुंडली

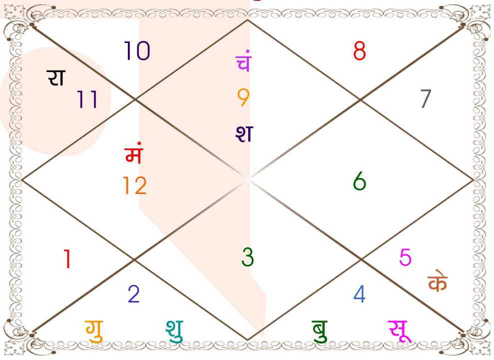


## नवमांश कुंडली

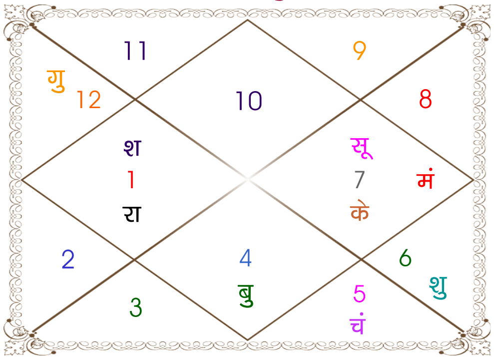

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 1 मास 12 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 27/07/1988 | 08/09/2005 | 09/09/2011 | 08/09/2021 | 08/09/2028 |
| 08/09/2005 | 09/09/2011 | 08/09/2021 | 08/09/2028 | 08/09/2046 |
| शुक्र 08/01/1989 | सूर्य 27/12/2005 | चंद्र 09/07/2012 | मंगल04/02/2022 | राहु 22/05/2031 |
| सूर्य 08/01/1990 | चंद्र 27/06/2006 | मंगल07/02/2013 | राहु 23/02/2023 | गुरु 15/10/2033 |
| चंद्र 09/09/1991 | मंगल02/11/2006 | राहु 09/08/2014 | गुरु 30/01/2024 | शनि 21/08/2036 |
| मंगल08/11/1992 | राहु 27/09/2007 | गुरु 09/12/2015 | शनि 09/03/2025 | बुध 10/03/2039 |
| राहु 08/11/1995 | गुरु 15/07/2008 | शनि 09/07/2017 | बुध 07/03/2026 | केतु 27/03/2040 |
| गुरु 09/07/1998 | शनि 27/06/2009 | बुध 09/12/2018 | केतु 03/08/2026 | शुक्र 28/03/2043 |
| शनि 08/09/2001 | बुध 03/05/2010 | केतु 10/07/2019 | शुक्र 03/10/2027 | सूर्य 20/02/2044 |
| बुध 09/07/2004 | केतु 08/09/2010 | शुक्र 09/03/2021 | सूर्य 08/02/2028 | चंद्र 21/08/2045 |
| केतु 08/09/2005 | शुक्र 09/09/2011 | सूर्य 08/09/2021 | चंद्र 08/09/2028 | मंगल08/09/2046 |

| गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 08/09/2046 | 08/09/2062 | 08/09/2081 | 08/09/2098 | 09/09/2105 |
| 08/09/2062 | 08/09/2081 | 08/09/2098 | 09/09/2105 | 00/00/0000 |
| गुरु 26/10/2048 | शनि 11/09/2065 | बुध 05/02/2084 | केतु 04/02/2099 | शुक्र 28/07/2108 |
| शनि 10/05/2051 | बुध 21/05/2068 | केतु 01/02/2085 | शुक्र 07/04/2100 | 00/00/0000 |
| बुध 15/08/2053 | केतु 30/06/2069 | शुक्र 03/12/2087 | सूर्य 12/08/2100 | 00/00/0000 |
| केतु 22/07/2054 | शुक्र 30/08/2072 | सूर्य 08/10/2088 | चंद्र 13/03/2101 | 00/00/0000 |
| शुक्र 22/03/2057 | सूर्य 12/08/2073 | चंद्र 10/03/2090 | मंगल10/08/2101 | 00/00/0000 |
| सूर्य 08/01/2058 | चंद्र 13/03/2075 | मंगल07/03/2091 | राहु 28/08/2102 | 00/00/0000 |
| चंद्र 10/05/2059 | मंगल21/04/2076 | राहु 23/09/2093 | गुरु 04/08/2103 | 00/00/0000 |
| मंगल15/04/2060 | राहु 26/02/2079 | गुरु 30/12/2095 | शनि 12/09/2104 | 00/00/0000 |
| राहु 08/09/2062 | गुरु 08/09/2081 | शनि 08/09/2098 | बुध 09/09/2105 | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।